डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 199 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 03 मई 2024 | मूल्य 2 रुपया

जावरा आए सीएम डा. मोहन यादव

बोहरा समाज को बताया देश भक्त, सैयदना सा. से की मुलाकात

रतलाम, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव गुरुवार दोपहर जिले के जावरा आए। सीएम यहां दाउदी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु सैयदना आली कदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब का आशीर्वाद लेने पहुंचे। प्रदेश की जनता की तरफ से सीएम ने धर्मगुरु का स्वागत किया। धर्मगुरु ने सीएम को शाल ओढ़ाकर आशीर्वाद दिया। सीएम ने बोहरा समाज को देश भक्त बताते हुए देश की उन्नति व प्रगति में समाज की भूमिका को अहम बताया।

बता दे कि बोहरा समाज के धर्मगुरु डेढ साल बाद जावरा आए है। अपने आका मौला की एक झलक पाने के लिए हजारों की संख्या में रतलाम जिले के अलावा अन्य जिलों से भी समाजजन आए है। धर्मगुरु दो दिन जावरा में ही रहेंगे। सीएम बनने के बाद जावरा में डॉ. यादव पहली बार आए। पूर्व में जावरा शहर में लोकसभा प्रत्याशी के समर्थन में सीएम का रोड शो व कार्यकर्ताओं से मुलाकात का कार्यक्रम तय था। लेकिन, वह निरस्त हो गया।दोपहर में ताल नाका पर एक बंगले पर सीएम डॉ. यादव के साथ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप, जावरा विधायक राजेंद्र पांडेय, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, मंदसौर-जावरा लोकसभा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता ने धर्मगुरु सैयदना साहब से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इसके पहले हेलिपेड पर सीएम की आगवानी बोहरा समाज की तरफ से रतलाम समाज प्रवक्ता सलीम आरिफ (बादशाह) व जनप्रतिनिधियों ने की।

रतलाम आने का किया आग्रह...

मुलाकात के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप ने धर्मगुरु से रतलाम आने का आग्रह किया। सीएम डॉ. यादव ने करीब 15 मिनट तक धर्मगुरु के साथ चर्चा की। इसके बाद वह आगर मालवा के लिए रवाना हो गए। धर्मगुरु का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि बोहरा समाज देश भक्ति के साथ समृद्धशील है व देश भक्त भी है। समाज के रोम रोम में व्यापार व्यवसाय के साथ जुड कर भारत की सेवा का संकल्प है। समाज के धर्मगुरु का अभिनंदन है। विकास के पथ पर प्रदेश में नई गाथा लिखेंगे।

सरकारी खजाने पर कुत्तों की नजर

चार माह में 57 लाख का फटका, सरकारी रुपयों का शिकार कर रहे कुत्ते

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। अचानक से डॉग बाइट की घटनाएं सामने आने के बाद प्रशासन चिंतित जरुर दिखाई दिया। लेकिन, इस समस्या का समाधान होने का नाम नहीं ले रहा है। कभी कथित पशु प्रेमी प्रेमी आड़े आ रहे है तो कभी योजना को मूर्त रूप देने का अभाव तो कभी अधिकारियों की चुनावी व्यस्तता लोगों को कुत्ते का शिकार होने से बचाने में रोड़ा बन रही है। यहां लोगों की परेशानी से हटकर बात करें तो कुत्तों के कारण सरकारी खजाना भी खाली हो रहा है।

बता दे कि बड़े अस्पताल में चार माह में लगभग 3 हजार 582 लोग कुत्तों का शिकार होकर पहुंचे हैं। इन्हें एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। पूरा डोज करीब 1600 रुपए का होता है। मतलब चार माह में 57 लाख 31 हजार 200 रुपए कुत्तों का शिकार होने वाले लोगों पर सरकारी खजाने से खर्च हुए। यह आंकड़ा सिर्फ बड़े अस्पताल में आए मरीजों का है। इसके अलावा जिले के अन्य सरकारी अस्पतालों के अलावा प्रायवेट अस्पतालों में पहुंचने वाले मरीजों की संख्या इसमें जोड़ी जाए तो आंकड़ा बहुत बड़ा होगा। वहीं अगर प्रदेश की बात करें तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कुत्तों के कारण सरकारी खजाना किस तरह से खाली हो रहा है। यह आंकडा भी सिर्फ चार माह का है। जबकि, लोग लंबे समय से कुत्तों की समस्या से जूझ रहे हैं।

आंकड़ो से पता चला है कि पिछले चार माह में श्वान के काटने पर लोगों की जान बचाने के लिए बड़ी संख्या में एंटी रैबीज वैक्सीन की खपत हुई। जानकारी के अनुसार एंटी रेबीज वैक्सीन चुनींदा मेडिकल स्टोर्स पर ही उपलब्ध होती है। इसका कारण है कि इसका रख रखाव महंगा पड़ता है। अधिकांश नर्सिंग होम्स और निजी अस्पताल कुत्तों के शिकार हुए मरीजों को सरकारी अस्पताल ही भेज रहे हैं। इधर बात करें एक इंजेक्शन की तो इसकी कीमत होती है चार सौ रुपए। करीब चार इंजेक्शन एक नियमित अंतराल के बाद इसमें पीड़ित को लगाए जाते हैं। मतलब एक कुत्ते के शिकार होने वाले व्यक्ति पर लगभग सोलह सौ रुपए का खर्च होता है। अगर प्रायवेट अस्पताल में उपचार कराया जाए तो यह खर्च तीन हजार रुपए तक पहुंच जाता है। कुल मिलाकर कुत्तों के कारण जहां लोग परेशान हो रहे हैं, वहीं सरकार खजाना भी खाली हो रहा है।

एक से तीन माह में दिखने लगता असर...

रेबीज वायरस से संक्रमित श्वान के काटने पर संक्रमण व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाता है। इसका लक्षण सामान्यतया एक से तीन माह में दिखता है। प्रतिरोधी क्षमता अनुसार थोड़ा समय भले ले, लेकिन, जीवन पर बन आती है। ऐसे में श्वान के काटने पर डाक्टर एहतियातन एंटी रेबीज वैक्सीन जरूर लगवाने की सलाह देते हैं। जिस श्वान ने काटा वह संक्रमित है या नहीं, पता न होने से आमतौर पर अस्पतालों में टीकाकरण के लिए लंबी कतार लग रही है। बंदर व बिल्ली के काटने पर भी टीकाकरण किया जाता है।

घाव गहरा होने पर यह उपाय जरूरी...

श्वान के काटने पर यदि घाव अधिक गहरा हो तो उसे साबुन से कम से कम 15 मिनट तक धोना चाहिए। इसके बाद बीटाडीन से अच्छी तरह से साफ करना चाहिए ताकि वायरस शरीर में न फैल सके। वहीं 72 घंटे के भीतर टीकाकरण जरूर कराना चाहिए। एंटी रेबीज का टीका प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला स्तरीय चिकित्सालयों में नि:शुल्क लगाया जाता है। रेबीज के 97 प्रतिशत मामले संक्रमित श्वान के काटने के कारण होते हैं।

इनका कहना...

कुत्तों के काटने के मामले बड़े अस्पताल में पहुंच रहे हैं। मरीजों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है। वैक्सीन बड़े अस्पताल सहित जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है।

डॉ. डीके शर्मा, सिविल सर्जन, बड़ा अस्पताल मंदसौर

बड़े अस्पताल में पहुंचे मरीजों की संख्या...

माह	कुत्तों के शिकार
जनवरी	1159
फरवरी	952
मार्च	846
अप्रैल	625 (लगभग)

तस्करी के मामले में फरार पांच हजार के इनामी बदमाश को दबोचा

पुलिस को 1 साल से थी तलाश

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी थाना पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में 1 साल से फरार 5 हजार रूपए के इनामी बदमाश को दबोचा है। नई आबादी थाना टीआई वरुण तिवारी ने बताया कि जिले में लगी आचार संहिता के तहत स्थाई व अस्थाई फरार वारंटियों की धर पकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत वर्ष-2023 से एनडीपीएस एक्ट में मामले में 5 हजार रूपए के ईनामी आरोपी आमीन पिता फकरु शाह उम्र 27 साल निवासी ग्राम बागलिया थाना हतुनिया जिला प्रतापगढ़ राजस्थान को मुखबीर सूचना पर गिरफ्तार किया गया।

आरोपी एक साल से तस्करी के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस कप्तान ने आरोपी के खिलाफ पांच हजार का इनाम घोषित किया था। मामले में नई आबादी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट के आदेश पर आरोपी को जैल भेज दिया गया।

नारी शक्ति की बड़ी जीत...

देश के सर्वोच्च संस्थान में भी महिलाओं को बराबरी का हक, मिला आरक्षण..!

नई दिल्ली, 2 मई। न्यायिक क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सुप्रीम कोर्ट का एक और कदम आगे बढा है। सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में एक-तिहाई महिला आरक्षण लागू करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने बीडी कौशिक के मामले में सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले को साफ करते हुए ये निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के ट्रेजरार यानी कोषाध्यक्ष का पद महिला के लिए आरक्षित रहेगा। इसके अलावा एसोसिएशन की कार्यसमिति के नौ में से तीन सदस्यों के पद महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

सीनियर एडवोकेट्स के लिए सीनियर कार्यकारिणी के छह सदस्यों में से दो सामान्य कार्यकारिणी के, नौ में से तीन सदस्य महिलाएं ही होंगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह आरक्षण पात्र महिला सदस्यों को अन्य पदों के लिए चुनाव लडने से नहीं रोकेगा। कोर्ट के निर्देश के अनुसार एससीबीए के पदाधिकारियों का एक पद बारी-बारी से और रोटेशन के आधार पर विशेष रूप से महिलाओं के लिए आरक्षित होगा। न्यायालय के निर्देश के अनुसार 2024-25 कार्यकाल के लिए चुनाव 16 मई को होंगे। इसके बाद 18 मई को वोटों की गिनती होगी और 18 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव समिति में वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता, राणा मुखर्जी और मीनाक्षी अरोड़ा शामिल होंगे।

मारपीट करने वाले 2 आरोपियों को 1-1 वर्ष का कारावास

मनासा, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान् सक्षम नरूला, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मनासा के द्वारा खेत हांकने के विवाद को लेकर फरियादी के साथ बेसबॉल से मारपीट कर गंभीर चोट पहुँचाने वाले 02 आरोपीगण (1) पंकज पिता बाबूलाल धाकड, उम्र-26 तथा (2) मनोहर पिता झमकलाल धाकड, उम्र-34 वर्ष, दोनों निवासी-ग्राम कंजार्ड, तहसील मनासा, जिला नीमच को धारा 325/34 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 01-01 वर्ष के कारावास व 2000-2000रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री रमेश नावडे द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना वर्ष 2016 की हैं। फरियादी बाबूलाल तथा आरोपीगण के मध्य खेत का विवाद चला आ रहा हैं। इसी विवाद को लेकर दिनांक 04.07.2016 को शाम के लगभग 5:30 बजे आरोपीगण फरियादी के ग्राम कंजार्ड स्थित घर के बाहर पहुंचे तथा ..... शेष पेज 4 पर

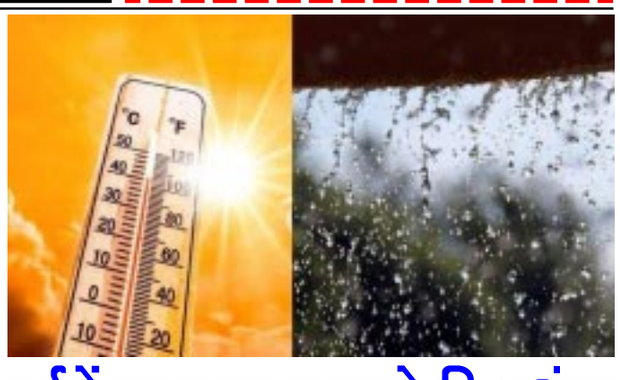

मई में एक सप्ताह लू चलने की आशंका

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। मई महीने की शुरुआत से ही तेज गर्मी का असर दिख रहा है। मौसम जानकारों के अनुसार मई में 5-7 दिन हीट वेव अर्थात लू चलने की आशंका है। जिले में बुधवार को मौसम साफ रहा। सूरज के तेवर से बाजार सुने दिखाई दिए, शाम ढलने पर बाजारों में चहल पहल देखने को मिली। जिले में अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23 डिग्री के आसपास बना हुआ है। आने वाले दिनों में तापमान और बढेगा। अगले चार पांच दिनों में तापमान 41 डिग्री के पार पहुंच जाएगा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई सुरेंद्रन ने बताया कि मई के पहले सप्ताह में मौसम का मिला-जुला असर रहेगा। 1 से 4 मई तक तेज गर्मी पड़ेगी। फिर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। इसका असर एक-दो दिन बाद देखने को मिल सकता है। 10 मई तक टेंपरेचर में उतार-चढ़ाव रहेगा, लेकिन इसके बाद भीषण गर्मी पड़ेगी।

ट्रक में भरकर राजस्थान ले जाया जा रहा...

70 क्विंटल डोडाचूरा जप्त

2 आरोपी गिरफ्तार, 3 फरार

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। पिपलियामंडी पुलिस ने ट्रक में भरकर राजस्थान ले जाया जा रहा 70 क्विंटल डोडाचूरा जप्त किया। हालांकि डोडाचूरा तस्करों को पकडने के लिए नारायणगढ पुलिस भी पीछे लगी हुई थी। लेकिन, आरोपी पिपलिया पुलिस के हत्थे चढे। इस मामले में दो आरोपी पुलिस गिरफ्त में है, वहीं तीन फरार है जिनको पुलिस तलाश रही है।

जानकारी के अनुसार पिपलिया पुलिस ने मुखबीर सूचना पर गुरुवार सुबह मनासा मार्ग सांवलिया पेट्रोल पंप के पास नाकाबन्दी कर एक ट्रक आरजे 09 जीई 0084 को रोका, तलाशी के दौरान कट्टों में भरा 70 क्विंटल 5 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपनी पहचान मांगलिया वास (डूमाडा, अजमेर) निवासी विष्णु पिता चतरा गुर्जर, सोमलपुर (रामगंज, अजमेर) निवासी सादिक पिता सत्तार खान होना बताई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया, वहीं ट्रक व डोडाचूरा जप्ती में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि मामले में जालेली (जोधपुर) निवासी श्रवण विश्नोई, रमेश व मोबाइल नम्बर 79493392 का धारक भी शामिल है। इनके खिलाफ भी पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

सूत्रों के अनुसार आरोपी डोडाचूरा नारायणगढ थाना क्षेत्र के बूढा चोकी क्षेत्र के गांव से भरकर ले जा रहे थे, इन्हें पकडने के लिए नारायणगढ पुलिस भी पीछे लगी हुई थी। इधर एसडीओपी नरेन्द्रसिंह सोलंकी ने बताया आरोपियों को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड लिया जाकर डोडाचूरा भेजने वाले आरोपियों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

लालसिंह के साथ देखा जाता रहा है चालक...!

पुलिस की पकड मे आये चालक मे से एक लाल सिंह के साथ कई बार देखा गया है। इसके साथ अमर सिंह भी देखा जाता रहा है। पुलिस को इस और बारीकी से जाँच करना चाहिए। पुलिस यदि तलाब पिपलिया और डोरवाडी की तरफ पैनी नजर से देखे तो कई नाम सामने आ सकते है।

शामगढ़ में पीडब्ल्यूडी ईई आदित्य सोनी को घेरा

नप कर्मचारी-जनप्रतिनिधि भी आ गए अपनी वाली पर, बड़बोले सोनी को दिखाया आईना

रसूख दिखाने पहुंचे लोनिवि ईई के खिलाफ थाने पहुंचे कर्मचारी

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। सरकारी विभागो में मलाईदार पदो पर बैठे अधिकारियों की एक लॉबी जुगाड़ तुगाड़ कर मंदसौर में ही लंबे समय से जमी हुई है। यह ऐसे मठ्ठे अधिकारी है, जिन्हें शासन मंदसौर से हटाकर अन्यत्र भेज देता है। लेकिन, फिर से जोड़ तोड़ कर यहीं आ जाते है। यह ऐसे अधिकारी है यहीं जमे भी रहना चाहते है और मातहतो के साथ आमजन से भी अभद्रता करने से बाज नहीं आते है। ऐसे ही बड़बोले अधिकारी लोनिवि ईई आदित्य सोनी है। जो प्रमोशन के बाद स्थानांतरण और फिर से मंदसौर में पोस्टींग करा लाए और यहीं जम गए। यहीं कारण है कि जनप्रतिनिधि हो या अधिकारी, आदित्य सोनी किसी को भाव नहीं देते। लेकिन, पूर्व मंत्री और विधायक हरदीपसिंह डंग के क्षेत्र शामगढ़ में जाकर रसूखदारी दिखाना आदित्य सोनी को उलटा पड़ गई। नगर परिषद सीएमओ और जनप्रतिनिधियों को दबाने का प्रयास करने वाले आदित्य सोनी की जमकर लू उतर गई। कर्मचारी तो थाने में शिकायत करने पहुंच गए। इधर नगर परिषद की तालाबंदी कर हंगामा कर दिया। आदित्य सोनी के साथ गरोठ के लोनिवि एसडीओ कमल जैन को भी यहां पसीना आता नजर आया।

निर्माण रुकवाने पहुंचे थे सोनी...

जानकारी के अनुसार गुरुवार को आदित्य सोनी शामगढ़ पहुंचे। रेस्ट हाउस में एसडीओ गरोठ कमल जैन के साथ शामगढ बस स्टैंड पर निर्माणाधीन शॉपिंग कंपलेक्स के निर्माण को रुकवाने की कोशिश करते हुए कहा कि यह पीडब्ल्यूडी का रास्ता है और इस दिवार को तोड़ा जाए। इस दौरान मुख्य नपा अधिकारी सुरेश यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो भी निर्माण हो रहा है, वह नियमपूर्वक हो रहा है। इस तरह दिवार तोडे जाने की बात सही नहीं है।

बड़बोला सोनी बोला- एक एक करके आ जाओ, जिसे आना है...

अधिकारी कम पहलवानी ज्यादा दिखाने वाले आदित्य सोनी सीएमओ का जवाब सुनकर गर्म हो गए। आदित्य सोनी ने अभद्रता करते हुए सीएमओ को भी अपशब्द कहे। इस दौरान नप अध्यक्ष के बेटे अंकित यादव भी पहुंचे तो सीधे मुंह बात करने की बजाय आदित्य सोनी ने उनसे भी अभद्रता शुरू करते हुए कहा कि तुम्हारी संगदारी नहीं चलेगी। इस दौरान नपा कर्मचारी आक्रोशित हो गए और बात ही बातों में विवाद इतना बडा रूप ले लिया और दोनों पक्षों में झूमाझटकी हो गई देखने में यह भी आया कि आदित्य सोनी अपनी जुबान पर काबू नहीं रख पाए और सभी कर्मचारियों को बोला कि एक-एक करके आ जाओ जिसे भी आना है।

सफाई कर्मियों ने उतार दी गर्मी...

इधर आदित्य सोनी का व्यवहार सफाईकर्मी और नगर परिषद अधिकारियों को भी रास नहीं आया। कर्मचारियों ने जमकर खरी खोटी सुनाई। स्वच्छता निरीक्षक धर्मेंद्र उपाध्याय ने तो यहां तक कह दिया कि में ग्वालियर साइड का हूं। अकेले ही काफी हूं। विधायक हरदीपसिंह के सामने सीएमओ ने टीआई से कहा कि आदित्य सोनी से मुझे भविष्य में जान का खतरा है। मुझसे बदला लेने के लिए यह कुछ भी घटना करवा सकते हैं।

कमल जैन कांग्रेस का एजेंट...

इधर जनप्रतिनिधियों को भी आदित्य सोनी का व्यवहार गले नहीं उतरा। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र कुमार यादव ने कह दिया कि एसडीओ कमल जैन कांग्रेस का एजेंट है। यह पिछले 15 साल से शामगढ का निवासी होकर शामगढ गरोठ में नौकरी कर रहा है।

सरदार ने भी ली रिमांड...

माहौल खराब होने की सूचना के बाद क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग रेस्ट हाउस पहुंचे और आदित्य सोनी एवं कमल जैन दोनों को फटकार लगाई और कहा कि आपका रवैया अधिकारी जैसा बिल्कुल नहीं है। आपकी दादागिरी की चर्चाएं मैं बाहर सुन चुका हूं। कोई ऐसा कागज ही नहीं है, जिससे ये सिद्ध हो सके कि यह जमीन आपकी है और पीडब्ल्यूडी इसकी मालिक हैं तो आप किस आधार पर यहां आए और आपने किस आधार पर नगर परिषद के निर्माणाधीन परिसर की दीवार तोड़ने की बात की। जो भी जनप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारी आया उसको दादागिरी क्यों दिखा रहे हो।

थाने पहुंचे कर्मचारी...

एक नपा सफाई कर्मचारी को जातिगत शब्दों से अपमानित करने एवं मारपीट को लेकर आवेदन शामगढ थाने में देने कर्मचारी पहुंच गए। इधर नगर परिषद कार्यालय का ताला लगा दिया गया। वहीं कार्यवाही की मांग को लेकर देर शाम तक कर्मचारी थाने में डटे रहे।

विचार-मंथन

चुनाव से पहले उम्मीदवारों का आना-जाना...

राजनीतिक दलों में लोकतांत्रिक वातावरण होना अच्छी बात मानी जाती है, ताकि किसी भी सदस्य को अगर किसी बात पर एतराज हो तो वह उसे जाहिर कर सके। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि कोई पार्टी अपने भीतर अनुशासन बनाना ही बंद कर दे। चलते चुनाव के बीच जिस तरह कांग्रेस के नेता बगावत करते और दूसरे दलों का दामन थामते देखे जा रहे हैं, उसे कांग्रेस बेशक पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र बता कर खुद अपनी पीठ थपथपाने की कोशिश करे, पर हकीकत यही है कि इससे उसमें अनुशासन की कमी जाहिर होती है। कुछ दिनों पहले गुजरात में सूरत सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार ने जानबूझ कर अपना पर्चा भरने में गड़बड़ी की, जिसके चलते उसका पर्चा निरस्त हो गया और भाजपा का प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिया गया। अब इंदौर सीट से उम्मीदवार ने नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। एक दिन पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि चुनाव प्रभारी उनकी बात नहीं सुनते। लवली ने पार्टी नेतृत्व पर भी कई आरोप लगाए हैं। हालांकि इन तीनों मामलों में भाजपा के दबाव और सांठगांठ की बातें भी की जा रही हैं, मगर इससे कांग्रेस की अनुशासनात्मक ढिलाई और अपने नेताओं को संभाल कर रख पाने में नाकामी छिप नहीं जाती। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में नेता कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए। उनमें कई वरिष्ठ नेता भी थे। यह ठीक है कि कई नेताओं को जब कांग्रेस में अपना भविष्य नजर नहीं आया, तो उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। कुछ के बारे में कहा जाता है कि वे अपने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई से बचने के लिए सत्तापक्ष की तरफ चले गए। मगर इससे कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल तो उठते ही हैं कि वह क्यों अपने नेताओं को संतुष्ट नहीं रख सकी। ऐसा क्या हुआ कि उसके जो नेता कल तक सिद्धांतों की दुहाई देते न थकते थे, वे अचानक विद्रोही और अवसरवादी नजर आने लगे। उनका असंतोष अचानक फूट पड़ा और वे कांग्रेस के खिलाफ विष-वमन करने लगे। किसी भी पार्टी को ताकत इस बात से मिलती है कि उसके नेता और कार्यकर्ता कितने प्रतिबद्ध हैं। उन्हें कोई जिम्मेदारी मिलती है या नहीं मिलती, उन्हें चुनाव का टिकट मिलता है या नहीं मिलता, वे चुप रह कर पार्टी नेतृत्व का फैसला स्वीकार कर लेते और अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए निष्ठा और एकजुटता का परिचय देते हैं। भाजपा इसीलिए इस वक्त सबसे ताकतवर पार्टी है कि उसका नेतृत्व अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने साथ जोड़ कर रखने में कामयाब है। चुनाव जीतने के लिए हर राजनीतिक दल अपने पैंतरे आजमाता ही है। जैसे कि आरोप लग रहे हैं, अगर भाजपा कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में खींचने में कामयाब हो रही है, तो इसे चुनावी गणित के हिसाब से गलत नहीं कहा जा सकता। असल सवाल है कि कांग्रेस ने अपने नेताओं को इस तरह अनुशासित क्यों नहीं रखा या उनमें ऐसा भरोसा क्यों नहीं भर सकी कि वे दूसरे किसी दल के प्रलोभन या दबाव में आ ही न पाएं। बीच चुनाव में इस तरह पार्टी का साथ छोड़ कर बड़े नेताओं, यहां तक कि उम्मीदवारों के दूसरे दल में शामिल होने से न केवल पार्टी की आंतरिक कमजोरी जाहिर होती, बल्कि उसकी रणनीति भी विफल होती है।

आखिर कौन चाहेगा 370 सीटों वाला बहुमत

संजय बारू

भाजपा या उसके बाहर का कोई भी व्यक्ति प्रधानमंत्री को इतना शक्तिशाली बनाना नहीं चाहेगा कि वह राजनीति में और भी अधिक निरंकुश और दबंग बन जाएं। कोई भी कारोबारी व्यक्ति ऐसा प्रधानमंत्री नहीं चाहेगा जो इतना शक्तिशाली हो कि वह सरकार के पास उपलब्ध उपकरणों के माध्यम से उन्हें परेशान करना जारी रख सके। यह अब तक सर्वविदित है कि चुनावी बांड और अन्य माध्यमों से भाजपा द्वारा जुटाए गए हजारों करोड़ रुपए सूक्ष्म और स्पष्ट मिलीभगत के माध्यम से निकाले गए थे। देश भर में अधिकांश व्यावसायिक परिवार उच्च जातियों से हैं। वे भाजपा के हृष्टहृत्व एजेंडे के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मैंने जिन भी कारोबारी नेताओं से बात की है, वे भाजपा को सत्ता में चाहते हैं, लेकिन सर्वशक्तिमान बनना नहीं देना चाहते। दूसरे तरीके की तुलना में किसी भी कांग्रेसी नेता को 1972 और 1977 के बीच का दौर पसंद नहीं आया जब इंदिरा गांधी के विशाल और दबंग नेतृत्व ने हर राष्ट्रीय और प्रांतीय नेता को एक मूकदर्शक बनाकर रख दिया था। जब राजीव गांधी को संसद में 400 से अधिक सीटें मिलीं तो प्रांतीय कांग्रेस के राजनेताओं ने अपनी स्थिति में गिरावट और समर्थन आधार में कमी देखी। राजीव गांधी और उनके दरबार के अनुचर उन 400 से अधिक सांसदों के साथ इस पर प्रभुत्व स्थापित करने में सक्षम हो सकते थे, लेकिन निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर पार्टी को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। इस साल फरवरी में अपने राजनीतिक दल के वफादारों को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के लिए 370 लोकसभा सीटों का लक्ष्य रखा। विश्वसनीयता और पारदर्शिता के अलग-अलग स्तर के जनमत सर्वेक्षणों ने भाजपा को 330 से 390 के बीच सीटें दी हैं। उनमें से एक ने 411 की अंतिम संख्या की भी भविष्यवाणी की है कि मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए इतनी प्रभावशाली जीत चाहेंगे। यह पूरी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उनकी व्यक्तिगत स्थिति अलग है। लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ एक बड़ी जीत और राज्यसभा में समान रूप से प्रभावशाली जीत, भाजपा को मौलिक परिवर्तन करने की अनुमति देगी। पूर्ण और निरंकुश प्रधानमंत्री का मनमाने शासन का सामना करते हुए, कई व्यापारिक व्यक्तियों ने उन अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करके घर से जोखिम उठाया है जो उनके लिए अधिक अनुकूल है। भारत से व्यापारिक व्यक्तियों का विदेशी गंतव्यों की ओर प्रस्थान धीमा लेकिन विशिष्ट रहा है। इस तथ्य पर विचार करें कि जबकि भारत में निजी कॉर्पोरेट निवेश स्थिर बना हुआ है, भारत से दुनिया भर के गंतव्यों के लिए वार्षिक औसत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2000-2005 में प्रति वर्ष लगभग 200 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2010-15 में लगभग 2.0 बिलियन डॉलर हो गया। बहुत अधिक शादीशुदा युवा नेता खुद से पूछ रहे हैं कि मोदी के बाद वे अपना भविष्य कैसे सुरक्षित कर सकते हैं। राजनाथ और शाह सेवानिवृत्त हो सकते हैं, लेकिन युवाओं का क्या होगा? अगर इंदिरा-राजीव का सिक्का इतनी जल्दी बंद हो गया तो मोदी का सिक्का बंद होने में कितना समय लगेगा? पार्टी संस्थाओं और राजशाही को कमजोर करके और सत्ता का केंद्रीयकरण करके, मोदी भाजपा के साथ वही कर रहे हैं जो इंदिरा और राजीव ने कांग्रेस के साथ किया था, वही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ किया। संघ संगठन ने उत्साहपूर्वक मोदी के लिए प्रचार किया और उन्होंने आर.एस.एस. की कई नीतियों को लागू किया है। हालांकि, 2019 के चुनावों के बाद आर.एस.एस. और मोदी के बीच सत्ता समीकरण मोदी के पक्ष में झुक गया है। क्या आर.एस.एस. नेता अपनी खुद की प्रतिष्ठा को बहाल नहीं करना चाहेंगे और यह सुनिश्चित नहीं करेंगे कि भाजपा सरकार को मोदी से ज्यादा उनकी जरूरत है? प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं दावा किया है कि इस तरह के आश्वस्त बहुमत से उनकी सरकार महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार करने में सक्षम होगी जो भारत के विकास को गति देगी और इसे 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बना देगी। इस 'सुधार के लिए बहुमत' के तर्क को आसानी से खारिज किया जा सकता है। पी.वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे प्रधानमंत्रियों को इस तरह का संसदीय समर्थन नहीं मिला, फिर भी उन्होंने महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ हासिल करने के लिए अपनी सरकार का भविष्य दांव पर लगा दिया। लोकसभा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त होने के बावजूद मोदी कृषि कानूनों में सुधार करने में विफल रहे। सुधार के लिए केवल संख्या की नहीं बल्कि बुद्धिमान नेतृत्व की आवश्यकता होती है। क्षेत्रीय दलों के नेताओं की तरह और भाजपा के भीतर कई प्रांतीय नेताओं की तरह, कई भाजपा समर्थक व्यापारिक नेता भी कार्यालय में एक ऐसे प्रधानमंत्री को पसंद करेंगे जिसके पास संख्या 270 से 370 के करीब सीटें हों। अंत में, यह याद रखना उपयोगी होगा कि जब 'शक्तिशाली' प्रधानमंत्री कार्यालय में थे, उस अवधि में 4 प्रतिशत से कम की वार्षिक औसत वृद्धि दर की तुलना में, 'कमजोर प्रधानमंत्रियों के युग' (1991 से 2014 तक) ने अर्थव्यवस्था में रिकॉर्ड वृद्धि को करीब से देखा। नरसिम्हाराव, वाजपेयी और सिंह में से प्रत्येक ने निर्णायक नीतिगत कदम उठाए और दुनिया ने पहली बार यह स्वीकार किया कि भारत अब एक 'उभरती शक्ति' है।चंद्रबाबू नायडू से लेकर नवीन पटनायक तक कौन सा मुख्यमंत्री ऐसे प्रधानमंत्री से निपटना चाहेगा जिसके पास संसद में इतना जबरदस्त बहुमत हो कि वह उनके साथ वैसा ही व्यवहार करे जैसा राजीव ने हैदराबाद में अंजैया के साथ किया था? कोई नहीं। प्रत्येक मुख्यमंत्री, गैर-भाजपा और भाजपा दोनों, ऐसे प्रधानमंत्री को पसंद करेंगे जो उनकी जरूरतों के प्रति उत्तरदायी हो। राजीव गांधी ने संसद में 400 से अधिक सीटें हासिल कीं। राजीव गांधी और उनके दरबार के अनुचर शायद इस पर प्रभुत्व जमाने में सक्षम रहे होंगे।

क्या उत्तर प्रदेश में होगा चुनावी उलटफेर

योगेन्द्र यादव

इन दावों की जांच करने के लिए हम कुछ साथियों ने दो चरणों में उत्तर प्रदेश के 15 संसदीय क्षेत्रों की यात्रा की। पहले चरण में अप्रैल के पहले हफ्ते में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, कैराना और सहारनपुर तथा अप्रैल के तीसरे हफ्ते में बाराबंकी, मोहनलालगंज, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, इलाहाबाद, मिर्जापुर और वाराणसी तक गांवों की खाक छानी। इस पूरे क्षेत्र में घूमने से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि इस बार उत्तर प्रदेश में कुछ बड़ा उलटफेर होने जा रहा है। जनता के मन की थाह लेने के लिए हमने कोई तकनीकी सर्वे या किसी खुफिया तरीके का इस्तेमाल नहीं किया। हमने जो किया उसे चाहें तो आप भी इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने इलाके में खुद चैक भी कर सकते हैं। हम 5-6 व्यक्ति एक साथ गाड़ी में बैठकर सुबह से देर शाम तक गांव-देहात में घूमते थे और साधारण लोगों से पूछा कि उनका मत क्या है, पिछली बार कहां था, और इस बार किसे जाएगा। चुनाव के मिजाज और लोगों के अपने रुझान के बारे में बातचीत करते वक्त इतना ध्यान जरूर रखते थे कि सड़क के किनारे या गांव के कुछ बड़े परिवारों से बात करने की बजाय सभी जाति समुदाय के लोगों से बात करें, नेताओं या पत्रकारों से पूछने की बजाय एक साधारण वोटर से बातचीत करें। हमारे इस सफर से उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, पूर्वांचल के बिहार से सटे जिले और प्रदेश के बड़े शहर अछूते रहे। हमारी बातचीत महिलाओं की तुलना में पुरुषों से अधिक हुई। यह हमारे निष्कर्ष की सीमा हो सकती है।प्रदेश के सैंकड़ों साधारण वोटरों से हुई इस बातचीत के आधार पर एक बात तो बिल्कुल साफ है कि उत्तर प्रदेश में इस चुनाव में परिवर्तन की हवा है। यानी कि 2019 की अपनी स्थिति में सुधार करने की बजाय भाजपा वहां तक भी पहुंचती दिखाई नहीं देती। अभी से यह नहीं कहा जा सकता कि भाजपा के वोट में गिरावट कितनी है और उसका सीटों पर कितना असर होगा। यह भी पूरी तरह साफ नहीं था कि यह परिवर्तन की बयार इस बार क्यों चल रही है। इन बातों को समझने के लिए अभी कुछ देर और इंतजार करना पड़ेगा। परिवर्तन की इस हवा को अभी से भाजपा के खिलाफ आंधी नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी की अंधभक्ति बहुत कम हो गई है, लेकिन एक सामान्य वोटर में उनके प्रति अभी गुस्सा नहीं है। एक दबी छुपी-सी निराशा है, उससे भी ज्यादा थकान है। अब मोदी का नाम लेने भर से बाकी सब मुद्दों पर चर्चा रुक नहीं जाती। एक साधारण वोटर कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई 5 किलो राशन की योजना का श्रेय मोदी जी को देता है, लेकिन इस बार सिर्फ उनके नाम पर वोट नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश के गांवों में मोदी की तुलना में योगी ज्यादा लोकप्रिय हैं, उन्हें गुंडागर्दी खत्म करने का श्रेय मिलता है। साथ ही योगी के समर्थक यह आशंका भी जाहिर करते हैं कि शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया की तरह उनका पत्ता भी काटा जा सकता है। कहते हैं कि लोकसभा का चुनाव योगी जी का नहीं है।उधर आम जनता में भाजपा के अधिकांश सांसदों और स्थानीय नेताओं के खिलाफ बहुत गुस्सा है और अनेक वोटर इस चुनाव में वोट का इस्तेमाल उन्हें सबक सिखाने के लिए करेंगे। यह चुनाव मोदी से ज्यादा मुद्दों का चुनाव होता जा रहा है। हर वोटर के मन में महंगाई और बेरोजगारी है। ग्रामीण जनता अपनी आर्थिक स्थिति से त्रस्त है। कई लोग याद करते हैं कि नोटबंदी या फिर लॉकडाउन के समय से उनकी स्थिति सुधरी नहीं है। एक किसान बोला मोदी जी ने हम सबको चौकीदार बना दिया है। भाजपा सरकार को कानून व्यवस्था का श्रेय देने से भी यह मुद्दे दबते नहीं। अयोध्या के राम मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा का मामला लोग अपने आप नहीं उठाते, वोट के संदर्भ में उसका जिक्र नहीं करते। जब चुनाव जीवन के मुद्दों पर होता है तो सत्तारूढ़ दल को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लेकिन यहां पूछा जा सकता है कि यह सब इसबार तो नई नहीं है। विधायकों के प्रति गुस्सा तो 2022 में भी था, लेकिन तब भाजपा नहीं हारी। इस बार वोट क्यों खिसक रहा है? शायद इसका कारण यह है कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को आसन्न खतरे को अब साधारण वोटर अपने मुहावरे में समझने लगा है। अनेक लोगों ने कहा कि परिवर्तन होना चाहिए, चूंकि अगर तीसरी बार फिर मोदी जी आ गए।

किफायती इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेज बढ़ता भारत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के सीईओ एलन मस्क भारत आ रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का इंतजार है। चर्चा गरम है कि मस्क भारत में टेस्ला का कारखाना लगाने का एलान करेंगे, जिसमें दो से तीन अरब डॉलर का निवेश होगा। कारखाना लगने में तो वक्त लगेगा, लेकिन भारत में जो लोग टेस्ला की इलेक्ट्रिक कार खरीदने का सपना देख रहे हैं, उनके लिए तुरंत खुशखबरी आ सकती है। अभी टेस्ला के वाहन खरीदने के लिए कम से कम 70-75 लाख रुपये खर्च करने पड़ते हैं। कुछ ही समय पहले मुंबई में पुरानी कारों के एक डीलर ने 1.3 करोड़ रुपये में सेकेंड हैंड टेस्ला बेची है। मतलब, दुनिया में इलेक्ट्रिक कारें अभी बहुत महंगी हैं। मगर पिछले दिनों केंद्र सरकार ने ई-वाहनों की नीति में जो बदलाव किया है, उसके बाद तस्वीर बदल सकती है। अभी तक विदेश से आने वाली इलेक्ट्रिक कारों पर 100 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। यानी, कार का दाम दोगुना होना तय है। मगर अब भारत सरकार पूरी तरह विदेश में बनी कारों के आयात पर सिर्फ 15 फीसदी ड्यूटी लेने को तैयार है। शर्त है कि वह कार कंपनी भारत में कम से कम 4,150 करोड़ रुपये या लगभग 50 करोड़ डॉलर लगाकर कारखाना लगाने का काम शुरू करे। शर्त यह भी है कि तीसरे साल तक कम से कम 25 फीसदी इसके पुर्जे यहीं बनने लगें। एक शर्त यह भी है कि बाहर से बनकर आने वाली कार का दाम 35,000 डॉलर, यानी करीब 30 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होना चाहिए। मस्क ने ऐसे संकेत दिए भी हैं कि भारत में वह कार का दाम 20 लाख रुपये से शुरू करना चाहते हैं। पिछले साल जून में एलन मस्क प्रधानमंत्री मोदी से मिले थे। उस बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से कई विभागों को संदेश गए और अब जो नई इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी आई है, उसने काम आसान कर दिया। अब बिजली की कारों का बाजार गरम होने वाला है। कोरोना महामारी के पहले तक देश में तीन कंपनियों ने कुल चार इलेक्ट्रिक गाड़ियां बाजार में उतारी थीं। पिछले साल तक ही सात कंपनियों की 12 ऐसी गाड़ियां बाजार में आ चुकी थीं। आंकड़ों के हिसाब से अभी टाटा मोटर्स, एमजी मोटर और महिंद्रा इस बाजार में आगे चल रहे हैं। आज पूरी दुनिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देना चाहती है। भारतीय शहरों में हवा का हाल देखते हुए हमारे लिए भी यह बेहद जरूरी है। आश्चर्य नहीं, ऑटो बिक्री के आंकड़े दिखाते भी हैं कि 2023-24 में सभी तरह के ई-वाहनों की बिक्री में तेजी दिखी है। सबसे ज्यादा टू-व्हीलर बिके हैं, जिनकी गिनती लगभग 9.5 लाख रही और सालाना बढ़त 30 फीसदी के ऊपर। इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर की बिक्री में तो 56 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल आया और गिनती रही 6,32,636। ई-पैसेंजर व्हीकल या कारों की गिनती 91 फीसदी बढ़कर 90,996 और व्यावसायिक वाहनों की बिक्री में 175.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, हालांकि, यहां गिनती 8,571 ही रही। ध्यान रहे, केंद्र सरकार साल 2023 तक सारे तीन पहिए वाले वाहनों और 2025 तक सारे दोपहिया वाहनों को बैटरी से चलते देखना चाहती थी। अभी तक 54 प्रतिशत तिपहिए और दोपहिया वाहन ही बैटरी वाले हो पाए हैं। व्यावसायिक या पब्लिक ट्रांसपोर्ट वाली गाड़ियों में तो यह आंकड़ा एक फीसदी पर भी नहीं पहुंच पाया है, जबकि स्कैंडेनेविया के कुछ देश तो करीब-करीब सारी गाड़ियों को बिजली से चलाने के नजदीक हैं। बिजली की गाड़ी पर चलाने का खर्च भी लोगों को लगातार ललचा रहा है। कुछ समय पहले हुए एक अध्ययन में आया कि जहां पेट्रोल पर 50 किलोमीटर का एवरेज देने वाली बाइक पर 50 हजार किलोमीटर चलने का खर्च एक लाख रुपये आएगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5223

			3	6	9			4
		9					5	
	2				4	7	1	
4	9	8						7
			1		7			
1						4	3	5
	8	1	6				4	
	5					3		
9			2	7	1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5222

5	4	2	8	1	3	6	7	9
8	7	9	2	6	4	1	5	3
1	6	3	9	5	7	4	2	8
7	3	1	5	9	6	2	8	4
4	5	8	7	3	2	9	1	6
2	9	6	1	4	8	5	3	7
6	1	4	3	7	5	8	9	2
3	8	5	4	2	9	7	6	1
9	2	7	6	8	1	3	4	5

वर्ग पहेली 5223

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस देश में पहली बार 1960 को सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट की गई (3)
3. यह देश 1945 को संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ (3)
5. स्पष्ट, [illegible] (2)
6. एक प्रकार की छोटी मछली, बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य (2)
7. पक्का, [illegible] (3)
8. इकरार, वचन, प्रतिज्ञा (2)
10. एक प्रकार का [illegible] (2)
11. उत्तरप्रदेश का प्रमुख नगर जो [illegible] जिले में स्थित है (4)
13. ये जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर है, वीरप्रेम, [illegible] (4)
15. [illegible] (2)
17. [illegible] (2)
18. [illegible] (2)
19. महर्षि परशुराम का शस्त्र (3)
21. [illegible] (3)
22. [illegible] (3)
23. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे
1. [illegible] (3)
2. [illegible] (2)
3. एक भारतीय राजनेता जो अप्रैल 1998 से मार्च 2003 तक की अवधि में मध्यप्रदेश के राज्यपाल रहे (6)
4. यह छत्रपति शिवाजी का शस्त्र है (4)
6. हुकूमत, प्रभुत्वसत्ता, शासन (2)
7. [illegible] (3)
9. कार्ल मार्क्स की एक कृति जिसमें पूंजीवाद का विश्लेषण है (6)
12. [illegible] (2)
14. [illegible] (3)
16. बिंदु, शून्य चिन्ह (3)
18. [illegible] (2)
20. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5222 का हल

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-5-6

वृषभ : [illegible] शुभांक-1-3-5

मिथुन : [illegible] शुभांक-5-7-8

कर्क : [illegible] शुभांक-3-5-7

सिंह : [illegible] शुभांक-3-7-9

कन्या : [illegible] शुभांक-2-4-6

तुला : [illegible] शुभांक-3-5-6

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-4-8-9

धनु : [illegible] शुभांक-6-7-9

मकर : [illegible] शुभांक-7-8-9

कुंभ : [illegible] शुभांक-2-5-7

मीन : [illegible] शुभांक-1-3-5

दो वर्ष पूर्ण होने पर नि:शुल्क उपचार के साथ मतदान की दिलाई शपथ

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। पिछले दो वर्षो में हडडी रोग एवं स्त्री रोग व प्रसू ति में भगवान पशुपतिनाथ की पवित्र नगरी मंदसौर में प्रमुख केन्द्र बन चुके मालवा हॉस्पिटल में सफलता की दूसरी वर्षगांठ को मरीजों का नि:शुल्क उपचार कर मनाई। इस दौरान चिकित्सक दम्पत्ति डॉ.प्रवीण भोज एवं डॉ. मिषिका भोज ने उपचार के साथ मतदान की भी शपथ दिलाई और कहा कि शरीर के रोग के लिए उपचार जितना जरूरी है उसी तरह से देश के विकास के लिए मतदान भी उतना ही जरूरी है इसलिए प्रत्येक मतदाता को मतदान अवश्य करना चाहिए।

दो वर्ष पूर्व प्रारंभ हुए मंदसौर के श्री कोल्ड चौराहे के पास संजीत रोड पर स्थित मालवा हॉस्पिटल की ख्याति आज न केवल मंदसौर बल्कि पूरे जिले और आसपास के क्षेत्रों में भी है। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण भोज और प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मिषिका भोज पूरी शिद्दत के साथ अपने मरीजों का उपचार कर उन्हें स्वस्थ्य बनाते है। यही कारण है कि आज दूर-दूर से रोगी अपना

उपचार करवाने के लिए मालवा हॉस्पिटल पर आते है। सफलता के दो वर्ष पूर्ण होने पर मालवा हॉस्पिटल द्वारा नि:शुल्क परामर्श और जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 300 से अधिक मरीजों ने अपना पंजीयन करवाकर नि:शुल्क परामर्श प्राप्त किया। शिविर में थायराईड एवं हड्डी में घनत्व की नि:शुल्क जांच की गई इसके साथ गर्भावस्था, गायनिक, नि:संतानता की सोनोग्राफी मात्र 500 रूपऐ के नॉमिनल शुल्क पर करते हुए डिजिटल एक्सरे एवं अन्य जांचे भी रियायती दरों पर की गई।

शिविर में सुबह से ही रोगियों की कतारें लगी थी बडी संख्या में मंदसौर शहर समेत जिले भर से एवं आसपास के क्षेत्रों से भी मरीज अपना उपचार एवं परामर्श प्राप्त करने के लिए आऐ थे। जिसमें हड्डी रोग के 185 तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग के 115 से अधिक मरीजों ने परामर्श लेकर उपचार करवाया। शिविर के प्रारंभ में मालवा हॉस्पिटल के संचालक डॉ.प्रवीण भोज ने अस्पताल की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि मंदसौर शहरवासियों ने अपना भरोसा हॉस्पिटल पर जताया उसी का परिणाम है कि दो वर्ष की अवधि में ही दूर-दूर तक मालवा हॉस्पिटल मरीजों का विश्वास और भरोसा बन चुका है। मरीजों के इस अटूट भरोसे पर हॉस्पिटल सदैव खरा उतरेगा और भविष्य में नई और अत्याधुनिक तकनीकों से उपचार के संसाधनों को बढ़ाकर मरीजों को भरोसेमंद उपचार उपलब्ध कराएगा। डॉ मिषिका भोज ने मरीजों के विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मरीजों का विश्वास ही उन्हें पूरी ऊर्जा और लगन से काम करने की प्रेरणा देता है। अस्पताल के चिकित्सकों से लेकर पूरे स्टॉफ का ध्येय रहता है कि अस्पताल में आने वाला मरीज बिना किसी परेशानी के अपना उपचार करवाऐ और पूरी तरह से स्वस्थ्य होकर वापस जाए।

मंदसौर करेगा वोट, दिलाई गई शपथ–मालवा हॉस्पिटल के दो वर्ष पूर्ण होने पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में डॉ. प्रवीण भोज ने अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों, स्टॉफ के साथ ही उपचार करवाने आए नागरिकों को मतदान की आवश्यकता से अवगत कराते हुए मंदसौर करेगा वोट की शपथ दिलाई। मंदसौर में 13 मई को देश की सबसे बडी पंचायत के लिए मतदान होना है, लोकतंत्र के इस यज्ञ में प्रत्येक मतदाता अपनी भागीदारी करते हुए मतदान अवश्य करें। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध समाजसेवी नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी ने किया।

स्विमिंग पुल में क्लोरिन गैस के स्थान पर ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग

सीएमओ के खिलाफ न्यायालय के आदेश की अवमानना याचिका पेश

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में स्विमिंग पुल को नगरी पालिका ने तेराको के लिए चालु कर दिया है जिसमें नगर पालिका द्वारा स्विमिंगपुल पानी में क्लोरिन गैस के स्थान पर ब्लीचिंग पाउण्ड का उपयोग किया जा रहा है जिससे त्वचा संबंधित बिमारीया होने का खतरा कई अधिक रहता है। साथ ही वॉश रुम में नलो की टोटिया टुटी हुई है जिससे गर्मी के समय में जहां पानी की अत्यधिक समस्या रहती है वही स्विमिंग पुल में व्यर्थ पानी बह रहा है और टाईल्स भी उखडी हुई है। इन समस्याओं को लेकर वर्ष 2019 में विनोद सालवी अधिवक्ता मंदसौर ने प्रथम अपर जिला न्यायाधीश महोदय मंदसौर जिला मंदसौर के समक्ष लोक उपयोगी सेवा लोक अदालत मंदसौर में एक दावा मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंदसौर के विरुद्ध प्रस्तुत किया था तथा इन समस्याओ को न्यायालय में बताया था जिस पर लोक अदालत मंदसौर द्वारा अधिवक्ता सालवी के पक्ष में आदेश पारित करते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंदसौर को आदेशित किया था कि वह आगामी भविष्य में स्विमिंग पुल में क्लोरीन गैस का निर्धारित मापदण्ड अनुसार उपयोग कर पानी को स्वच्छ एवं साफ रखे तथा स्विमिंग पुल की मरम्मत हेतु कार्यवाही करे। उक्त समय में न्यायालय के आदेश के पालन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंदसौर द्वारा स्विमिंगपुल में मरम्मत करवाई गई थी और उक्त क्लोरिन गैस का उपयोग किया गया था लेकिन वर्तमान में मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंदसौर द्वारा न्यायालय के प्रकरण कमांक 01/2019 आदेश दिनांक 31.08.2019 का उल्लंघन किया जाकर स्विमिंग में क्लोरिन गैस के स्थान पर ब्लीचिंग पाउण्ड का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे स्विमिंग में तेराक व्यक्तियो को स्कीन सम्बंधित समस्या हो कर खुजली के लक्षण प्रतित हो रहे है। इस बात की जानकारी अधिवक्ता विनोद सालवी को होते ही अधिवक्ता ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के विरुद्ध दिनांक 01.05.2024 को न्यायालय विनोद कुमार अहिरवार के न्यायालय में मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंदसौर के विरुद्ध पुर्व में पारित न्यायालय आदेश दिनांक 31.08.2019 के अवमानना संबंधित याचिका प्रस्तुत की है जिस पर न्यायालय द्वारा मुख्य नगर पालिका को नोटीस जारी कर दिनांक 14.05.2024 को उपस्थित होकर जवाब पेश करने हेतु निर्देशित किया है।

कहीं पर आसमान से बरसेगी आग तो कुछ राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली, 2 मई। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। लोग सूर्य देव के प्रकोप का सामना कर रहे हैं। इस बीच मौसम विभाग ने कई हिस्सों में भीषण लू का अलर्ट जारी किया। आईएमडी के अनुसार, बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में भीषण लू चल सकती है।

इन राज्यों में लू का अलर्ट–मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, कच्छा, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा, तेलंगाना, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 4 मई तक लोगों को लू से राहत नहीं मिलेगी। वहीं, ओडिशा और उत्तरी कर्नाटक में 6 मई तक लू चलने की संभावना है।

इन राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट–आईएमडी ने बताया, कई प्रदेशों में आने वाले दिनों में बारिश होगी। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और मेघालय में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इन राज्यों में 2, 5 और 6 मई को भारी से बहुत भारी बारिश (115.5-204.4 मिमी) की भविष्यवाणी की है।

दिल्ली में कैसा रहेगा मई में मौसम?–स्काईमेट वेदर के अनुसार, 1 मई को दिल्ली में दिन का तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस तक गिरा जो सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस कम है। गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। इस वर्ष मई महीने की शुरुआत पिछले साल की तरह ठंडी रही। बता दें पिछले कुछ दिनों के दौरान पहाड़ों में बारिश और बर्फबारी हो रही है। जिससे देश की राजधानी में मौसम आरामदायक बना हुआ है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक, अगले 3 से 4 दिनों में तापमान बढ़ेगा। इस हफ्ते के अंत तक दिन का तापमान अधिकतम 30 डिग्री और सुबह का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री रह सकता है। वहीं, 9 से 11 मई के बीच दिल्ली/एनसीआर में गरज के साथ बौछारें और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

कैसा बन रहा मौसम प्रणाली सिस्टम?–एक पश्चिमी विक्षोभ ईरान और उसके आसपास बना है। यह अगले 36 घंटों में अफगानिस्तान और उत्तरी पाकिस्तान के पास पहुंचेगा। अगले 24 घंटों में मध्य पाकिस्तान और पश्चिमी राजस्थान पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बन सकता है। वहीं, 4 मई को एक कमजोर ट्रफ दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक जाएगा।

पीले चावल देकर मतदान के लिए किया जा रहा आमंत्रित

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 13 मई को प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रत्येक मतदाता को मताधिकार के उपयोग के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है। स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान में कई नवाचारों से मतदाताओं को प्रेरित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी परियोजनाओं में आँगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को पीले चावल देकर 13 मई 2024 को मतदान के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। मतदान केंद्र पर मतदाताओं की पहचान के लिए 12 दस्तावेजों निर्धारित किये गए है। इन 12 दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज होने पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। इन दस्तावेजों के अंतर्गत आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसें स, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, मनरेगा जॉब कार्ड, सर्विस पहचान पत्र, पासबुक, स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, पेंशन दस्तावेज व सरकारी पहचान पत्र को शामिल किए गए हैं। इनमें से कोई भी एक दस्तावेज होने पर आपको अपने मत का प्रयोग करने से कोई भी नहीं रोक सकता है, तो आओ हम सब मिलकर एक मजबूत लोकतंत्र को बनाने के लिए सभी मतदान करें।

गरोठ, मल्हारगढ़ व सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त मतदान दलों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज से

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकरी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त मतदान दलों का प्रशिक्षण 3 व 4 मई को, सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त मतदान दलों का प्रशिक्षण 5, 6 एवं 7 मई को एवं गरोठ विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त मतदान दलों का प्रशिक्षण 7 एवं 8 मई को आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण प्रात: 10 से 1 बजे तक एवं दोपहर 1.30 से 5 बजे शासकीय महाविद्यालय मंदसौर एवं कुशाभाऊठाकरे प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा।

मतदान दल कर्मियों का तृतीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 को कुशलतापूर्वक सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए नियुक्त शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी जिन्हें पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय के लिये नियुक्त किया गया हैं उन मतदान दल कर्मियों का तृतीय प्रशिक्षण शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं कुशाभाउ ठाकरे आटिडोरियम में जिले के मास्टर ट्रेनर के द्वारा दो चरणों में प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान दलकर्मियों को बताया गया कि तृतीय प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण हैं, इससे अच्छे से समझे मन में कोई संकोच न रखें कोई प्रश्न हो तो उसका निसंकोच समाधान कर लेंवे। घबराहट एवं डर दिमाग से निकाल दें। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतदान में पीठासीन अधिकारी व मतदान कर्मिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए मतदान दलकर्मी सैद्धांतिक के साथ गहनता से प्रशिक्षण लें, ताकि मतदान दिवस पर किसी प्रकार की परेशानी न आए।पीठासीन अधिकारी हस्तपुस्तिका का भलीभांति अध्ययन कर लें।

प्रशिक्षण में बताया गया कि मतदान हेतु सामग्री प्राप्त करने हेतु निर्धारित समय पर पहुंचे एवं सामग्री का मिलान अच्छे से कर लेवें, मतदाता सूची को चेक कर लेवें। इस के साथ ही मास्टर ट्रेनर ने प्रशिक्षण में मतदान से पूर्व बूथ पर की जाने वाली कार्रवाई, मतदान शुरू करने, मतदान समाप्ति सहित सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी एवं बताया कि मतदान दिवस पर निर्धारित समय पर मतदान कराएंगे। बूथ पर मोबाईल का उपयोग न करें। मतदान कराने से पूर्व मॉक पोल कराना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि पार्टी प्रत्याशी एजेंटों के सामने मॉक पोल मतदान करवायें। मतदान में लगे सभी कर्मचारी कर्तव्यनिष्ठा एवं शालीनता, सुरक्षा और गोपनीयता के साथ मतदान प्रक्रिया को सम्पन्न कराया जाना हैं, जिसकी जिम्मेदारी आप की हैं। मतदान बूथ में पीठासीन अधिकारी अनुशासन बनाये रखें, शालीनता से व्यवहार करें, तांकि शांतिपूर्ण निर्वाध मतदान संपन्न हो सके। मास्टर ट्रेनर ने मतदान दलकर्मियों को मतदान कराये जाने हेतु सैद्धान्तिक प्रशिक्षण देकर बारीकियों को समझाया। प्रशिक्षण में मतदान दल कर्मियों को ईवीएम, व्ही.व्ही.पैट मशीन, वेलिट यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट की कार्यप्रणाली उसे कनेक्ट करना एवं इनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से समझाया गया। उन्होंने प्रपत्र भरने, ईवीएम को ऑन व ऑफ करने व सील करने के साथ ही वीवीपैट को संयोजित करने, खोलने और सील करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुवे प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर ने प्रशिक्षण के दौरान मतदान दल कर्मियों की शंकाओं का निदान भी किया।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के उपलक्ष्य पर...

डेक्सटर ग्लोबल स्कूल में कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के उपलक्ष्य पर डेक्सटर ग्लोबल स्कूल में कार्यक्रम आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार जिला पंचायत अध्यक्ष को आमन्त्रित किया गया।

श्रीमती पाटीदार ने विद्यार्थियों को पंचायती राज की सरंचना, कार्य प्रणाली व उसकी व्यवस्था के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया एवं विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों को विस्तारपूर्वक समझाया गया।साथ ही इस कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त विद्यार्थी और शिक्षकगण उपस्तिथ थे।अतिथि का स्वागत विद्यालय के नन्हे बच्चों द्वारा पौधा भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री मधुबाला टांक एवम श्रीमती ज्योति विजयवर्गीय द्वारा किया गया।

प्रत्येक बूथ पर पहुंच रहे भाजपा कार्यकर्ता

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, क्लस्टर प्रभारी कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, उज्जैन संभाग प्रभारी जीतू जिराती, लोकसभा चुनाव प्रभारी बजरंग पुरोहित एंव लोकसभा चुनाव संयोजक देवीलाल धाकड के मार्गदर्शन में वृहद जनसंपर्क पुरे लोकसभा क्षेत्र में चल रहा है।

इसी क्रम में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एंव राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने सुवासरा मंडल के ग्राम प्रतापपुरा, बरडिया गुर्जर एवं ढाबला महेश में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को विजय दिलाने हेतु संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया।

इसी क्रम में राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार एंव भाजपा जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एंव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन जी यादव ने महिलाओं के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग के लिये अनेक जनकल्याणकारी चला रखी है। जिसका लाभ प्रत्येक वर्ग को मिल रहा है। इन्ही सभी कार्यो को लेकर हमें अपने बूथ इन सभी योजनाओं को बताना है व आने वाली 13 मई को मंदसौर लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को विजयी बनाने का आह्वान करना है। कार्यक्रम अवसर पर लोकसभा महिला मोर्चा प्रभारी सुषमा आर्य, नपा अध्यक्ष स्वाति चोपडा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मीना जायसवाल, हेमलता धाकड, किरण शर्मा, वंदना खंडेलवाल, अवंतिका जाट, जनपद सदस्य सुनीता लाभना एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रही। इसी क्रम में सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग ने सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम खडधामनिया, आसपुरा, बांगली, धानडी, हामली, बापच्या, गागसी, रणायरा, बंजारी में जनसंपर्क कर लोकसभा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता के समर्थन में मतदाताओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार, भाजपा मंडल अध्यक्ष नेपालसिंह चौहान, शामगढ मंडल अध्यक्ष धीरज संघवी, सुवासरा मंडल महामंत्री मगनलाल सूर्यवंशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष लालसिंह डूंगावत, पिछडा मोर्चा जिल महामंत्री नंदु कुमावत, डॉ महेश सेठिया, दीपक पुरोहित, दीपू राठौड, जितेंद्र प्रजापति एवं अन्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

आरोपी जिला बदर

नीमच, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के तहत एक आरोपी को तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। आरोपी समीर पिता सलीम शेख निवासी रामपुरा नाका मस्जिद गली मनासा थाना मनासा को तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। उक्त आरोपी जिला बदर अवधि में नीमच जिले की राजस्व सीमा तथा समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जै न, देवास एवं आगर-मालवा जिले की राजस्व, सीमा में जिला बदर अवधि में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

निर्वाचन कार्य में उदासीनता बरतने पर कलेक्टर द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी

नीमच, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन व्दा रा लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत निर्वाचन कार्य के सुचारू संपादन एवं निर्वाचन गतिविधियो के निर्वहन उदासीनता बरतने और वरिष्ठ के आदेशों की अवहेलना करने पर सहायक प्राध्यापक श्री. महाविद्यालय जीरन की सुश्री दिव्या खरारे एवं सहायक यंत्री हाउसिंग बोर्ड नीमच के श्री पी.के. भट्ट को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है,कि क्यों न उनके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा-32 के अधीन योग्य वैधानिक कार्यवाही की जाए। इस संबंध में सुश्री दिव्या खरारे एवं श्री पी.के.भट्टको अपना स्पष्टीकरण कारण बताओ सूचना-पत्र की प्राप्ति से 03 दिवस में समक्ष उपस्थित होकर, प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अनुपस्थिति अथवा स्पष्टीकरण प्रस्तुत न करने की दशा में उनके विरूद्ध एक पक्षीय योग्य वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

उल्लेखनीय है,कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत निर्वाचन कार्य के सुचारू रूप से संपादन एवं निर्वाचन गतिविधियों के त्वरित संचालन हेतु आदेश दिनांक 27 अप्रैल 2024 को जिला पंचायत नीमच पर ईव्हीएम कमीशनिंग हेतु प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। जिसकी सूचना दिये जाने के उपरांत भी यह प्रशिक्षण हेतु नियत दिनांक पर प्रशिक्षण स्थल पर अनुपस्थित रहे। इस पर यह कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है।

चले बूथ की ओर अभियान का पर्यवेक्षण करेंगे अधिकारी

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत तीसरे और चौथे चरण के 31 जिलों में स्थित प्रत्येक मतदान केन्द्र पर 'चलें बूथ की ओर' अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। निर्देशों के पालन में 'चलें बूथ की ओर' अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों/गतिविधियों के पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण के लिये मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। श्री राजेश कौल, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विदिशा, भोपाल व बैतूल, श्री मनोज खत्री, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायसेन, खंडवा व बुरहानपुर, श्री विवेक श्रोत्रिय, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बडवानी, अलीराजपुर व झाबुआ, श्री बसंत कुर्रे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्योपुर, भिंड व दतिया, श्री तरूण राठी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुना, अशोकनगर व सागर, श्री प्रमोद शुक्ला, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजगढ, आगर-मालवा व शाजापुर, श्रीमती निमिषा जायसवाल, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मुरैना, धार व हरदा, श्रीमती सुरभि तिवारी, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी उज्जैन, शिवपुरी व खरगौन, श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ग्वालियर, इंदौर व देवास और श्री राजेश यादव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीमच, मंदसौर व रतलाम जिले में इस अभियान के अंतर्गत आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों/गतिविधियों का पर्यवेक्षण करेंगे। साथ ही संबंधित जिले के मतदान केन्द्रों का भ्रमण भी करेंगे।

शाख का सौंदर्य वैशाख में निहारिए

फूलों से लदी शाख
वैशाख की बात
गुलमोहर अमलतास
जामुन के नए पात।
आम महुआ बेल
शाख पे रहे खेल
इनमें रस गंध
कोयल करें पसंद।
शाख पर नव पात की
पुलक को पुकारिए
शाख का सौंदर्य
वैशाख में निहारिए।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

पत्रकार हितों को लेकर पत्रकार सुरक्षा कानून सहित 21 सुत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा

मनासा/सिंगोली, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश मे पत्रकारो के सबसे बडे रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 मई अंतरराष्ट्रीय मजदुर दिवस के अवसर पर पत्रकार हितो की 21 सुत्रीय मांगो का ज्ञापन राज्यपाल महोदय के नाम प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयो पर दिया गया। इसी क्रम मे आज नीमच जिला इकाई द्वारा भी जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन के नेतृत्व मे प्रात: 11-30 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंच कर राज्यपाल महोदय के नाम जिला कलेक्टर के प्रतिनिधी अपर कलेक्टर मेम मयूरी जोक को पत्रकार हितो की 21 सुत्रीय मांगो का ज्ञापन दिया गया। दिए गए ज्ञापन मे प्रमुख मांगो मे पत्रकार सुरक्षा कानून शीघ्र लागू करे, भोपाल मे पत्रकार भवन की भूमी पत्रकारो को दे, आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ पत्रकारो को मिले, विज्ञापन निती एक समान बने, श्रद्धानिधी पांच वर्ष के लिए मिले, पत्रकारो को आवास हेतू भूमि मिले, सभी जिला एवं तहसील मुख्यालय पर पत्रकार भवन बने, पत्रकारो और समाचार पत्र को जीएसटी से मुक्त रखा जाए, पत्रकारो को कम ब्याज पर ऋण मिले, पत्रकारो के बच्चो को शासकीय नौकरी मे आरक्षण मिले, संभाग व जिला स्तर पर श्रमजीवी पत्रकार प्रकोष्ठ बनाए जाए, श्रमजीवी कल्याण आयोग का गठन हो, टोल नाको पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्ड को मान्यता दी जाए, अधिमान्यता समितिया गठित हो, पत्रकारो के चिकित्सा कार्ड बनाए जाए आदी प्रमुख मांगे थी। ज्ञापन देते समय जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन प्रदेश

प्रतिनिधी कैलाश राठौर कुकडेश्वर भरत जाट मोरवन संभागिय उपाध्यक्ष गोपालदास बैरागी जिला महासचिव चैनसिंह सोलंकी जिला उपाध्यक्ष राकेश सोन जिला सचिव राजकुमार जैन दिनेश अहिर नरेंद्र लोढा नीमच तहसील अध्यक्ष मुकेश सिंहल पार्टनर मनासा तहसील अध्यक्ष हेमंत शर्मा जावद तहसील अध्यक्ष आशीष बैरागी सिंगोली तहसील अध्यक्ष सुरेश साहू वरिष्ठ पत्रकार बाबुलाल शर्मा कैलाश सोडानी अजय चौधरी अविनाश जाजपुरा महेश जैन महेश मोदी मोहित मोदी मुकेश डबकरा रमेश गूर्जर सुनिल नागौरी मंगल गोस्वामी प्रभुलाल सिहार रामेश्वर नागदा सहित अनेक पत्रकार साथी उपस्थित थे।

सफाई मजदूर संघ ने की अध्यक्षों की नियुक्तियां

गोपाल बने कुकड़ेश्वर नगर के अध्यक्ष

नीमच, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में सफाई कर्मचारियों के हित में लगातार सफलतम सक्रिय भूमिका निभाने वाली संस्था अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के नीमच जिले के अध्यक्षों के पद पर नियुक्त पत्र जारी किए गए। उक्त जानकारी देते हुवे उपाध्यक्ष राजेश कंडारा ने बताया है कि अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्म सिंह कर्मा, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजपाल महरोलिया, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विशाल बिरला, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आरती नरवाले की सहमति पर एवं प्रदेश महामंत्री गौतम लोट की अनुशंसा पर राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजपाल महरोलिया ने नीमच जिले की नगर परिषदों के अध्यक्षों के नियुक्ति पत्र जारी किए है। जिसमे रामपुरा नगर अध्यक्ष पद पर कमल कलोसिया, कुकडेश्वर नगर अध्यक्ष पद पर गोपाल गोडाल, जीरन अध्यक्ष पद पर शैलेंद्र सरपटा, जावद नगर अध्यक्ष पद पर प्रदीप कुमार राडोदीया को नियुक्त पत्र जारी कर जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही सभी अध्यक्षों को अपने अपने क्षेत्र में समाज एवं कर्मचारी हित में कार्य करने के निर्देश प्रदान किए और जल्द ही अपनी टीम घोषित कर, सूची प्रदेश स्तर पर अवगत करने के आदेश प्रदाय किए गए हैं। गोपाल गोडाल को अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ, नगर कुकडेश्वर के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने पर सभी कर्मचारीगण, इष्टमित्रों व समाजजनों ने बधाई दी व उज्वल भविष्य की कामना की।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	54	21000	2302
उडद	15	4101	8180
सोयाबीन	3500	4175	4675
गैहु	11800	2210	3155
चना	780	5111	6130
मसुर	392	5200	5851
धनिया	180	5300	7151
लहसुन	17000	4800	21550
मैथी	1800	4500	5500
अलसी	2031	4500	5675
सरसो	719	4699	4950
तारामीरा	3	4381	4561
इसबगोल	118	12001	15111
प्याज	900	300	1211
कलोंजी	35	15000	20750
डॉलर	25	6500	9450
तिल्ली	0000	0000	0000
मटरसुखी	6	5399	6271
असालीया	357	7500	9790

भाजपा प्रत्याशी सांसद सुधीर गुप्ता ने खड़ावदा मंडल में किया जनसंपर्क

मंदसौर/नीमच, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस ने 60 साल तक देश में राज किया वह कहते रह गए कि देश से गरीबी हटा देंगे। गरीबी तो हटा नहीं पाए गरीबों को हटा दिया। कांग्रेस ने देश का नहीं बल्कि अपना विकास किया है। जबकि नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 साल के कार्य बेमिसाल रहे। उन्होने 25 करोड परिवारों को गरीबी रेखा से उपर लाने का काम किया है। देश में अमीरी गरीबी का अंतर कम हो रहा है। यह बात सांसद सुधीर गुप्ता ने खडावदा मंडल के ग्रामों में जनसंपर्क के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मोदी ने देश के आम नागरिकों को देखते हुए योजनाएं चलाई। जिसका आज आम लोगें को लाभ मिल रहा है। आज 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख का इलाज निशुल्क मिल रहा है। किसानों को सम्मान निधी मिल रही है। हर वर्ग को ध्यान में रखकर मोदी सरकार ने काम किया है। आगे भी इसी लक्ष्य को लेकर काम करना है। 13 मई को हर घर से एक-एक मतदाता को वोट डालने के लिए आगे आना है, अशिर्वाद प्रदान करना है।

गुरूवार को भाजपा प्रत्याशी सांसद सुधीर गुप्ता ने खडावतदा मंडल के साठखेखा,पनवाडी, ढाबला मोहन, चचावदा पठारी,ढलमु, देथली बुजुर्ग, देथली खुर्द, खडावदा, सेमरोल, बरखेडा गंगासा, पिपलिया जत्ती, ढाबा गांवो में जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान सुधीर गुप्ता ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में संसदीय क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए है। चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में करोडो की लागत से महाविघलयों के भवन का निर्माण हो या केन्द्रिय विघालय के निर्माण से क्षेत्र में शिक्षा की नई अलख जगेगी। पर्यटन के क्षेत्र में 2 करोड 50 लाख रूपए की लागत से बुद्व सर्किट अंतर्गत धर्मराजेश्वर एवं चतुर्भुज नाले के सौंदर्यीकरण, गांधी सागर में हिंगलाज रिसोर्ट का निर्माण होने से पर्यटन को बढावा मिलने के साथ अन्य गतिविधियां बढेगी। उर्जा के क्षेत्र में सुवासरा जिले के ग्राम रूणीजा में सोलर प्लांट खुलने से उर्जा के क्षेत्र में फायदा मिलेगा। गरोठ सिंचाई परियोजना, वहीं भानपुरा नहर योजना, सुवासरा- शामगढ सिंचाई परियोजना, क्यामपुर सिंचाई परियोजना से क्षेत्र की भूमि सिंचित होने से किसानों की आय दुगुनी होगी। सडक निर्माण में भी दस वर्षो में गांवो की दशा बदल दी है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे की सौगात हो या गरोठ-उज्जैन फोर लेन निर्माण,जावरा सीतामउ मार्ग निर्माण, भैसोंदा मंडी से भानपुरा मार्ग व्हाया लोटखेडी मार्ग का निर्माण से क्षेत्र में आवागमन के साथ व्यापार व्यवसाय भी बढेगा। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के पक्के मकान बनाने के सपने भाजपा सरकार में ही पुरे हुए है। आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख तक का इलाज निशुल्क अस्पतालों में हो रहा है।

लोकसभा चुनाव संयोजक देवीलाल धाकड ने कहा कि रेलवे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि के साथ हर क्षेत्र में संसदीय क्षेत्र में विकास हुआ है। शामगढ स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना में आधुनिकरण हो या सिंचाई परियोजनाओं से क्षेत्र की भुमि के सिंचित होने से किसान लाभान्वित हुए है। सडक निर्माण होने से ग्रामीणों का रास्त सुगम होने से आवागमन सुगम हुआ है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमति मनुप्रिया यादव ने कहा कि दस वर्षो में मोदी जी के नेतृत्व में सांसद सुधीर गुप्ता ने क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोडी है। जिला उपाध्यक्ष राजेश गिरोठिया, विधानसभा संयोजक रणजीत सिंह, मंडल अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश पंडा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विक्रमसिंह महुवा, पूर्व जनपद अध्यक्ष भगवान सिंह चौहान, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष कन्हैयालाल गुर्जर, पिछडा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अमर सिंह मीणा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रंजना पंडा, श्रीमती मीनल चौरडिया, मंडल उपाध्यक्ष सीताराम चारण, दिनेश पाटीदार, महेन्द्र सिंह पावटी, राहुल पाटीदार, कार्यकर्तागण, डॉ. दयाल रावत , मिडिया संयोजक अनुराग वर्मा सहित मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कांग्रेस के नेतृत्व में किटियानी मंडलम में घर-घर संपर्क अभियान चलाया

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर के घर घर जन संपर्क अभियान अंतर्गत गुरुवार को किटियानी मंडलम क्षेत्र में जनसंपर्क हुआ। वार्ड 40 एवं 01 में घर घर संपर्क कर कांग्रेस की न्याय योजना को बताया गया। शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार श्री दिलीप सिंह गुर्जर के समर्थन में निरन्तर जन संपर्क अभियान जारी है। जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस जनों ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि आपका एक वोट आपका एक वोट महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के नाम पर, आपका एक वोट कमीशन खोरी के खिलाफ,आपका एक वोट महंगाई के खिलाफ... आपका एक वोट नवयुवक बेरोजगारों को रोजगार दिलाएगा, आपका एक वोट महंगाई को कम करेगा,आपका एक वोट भ्रष्टचार को कम करेगा,आपका एक वोट पेट्रोल डीजल के भाव कम करेगा,आपका एक वोट शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन लाएगा,आपके एक वोट से हर महिला आर्थिक सक्षम बनेगी आदि नारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लगाए श्र पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर दुकान और घर में कांग्रेस का मेनिफेस्टो वितरित कर कांग्रेस के पक्ष में वोट देने की अपील की।

इस अवसर पर पूर्व विधायक पुष्पा भारती, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर,जिला कांग्रेस पदाधिकारीगण डॉ प्रीतीपालसिंह राणा, रमेशचंद सेठिया, सुनील बसेर, सुरेंद्र कुमावत, खलील खान, राजेंद्र सेठिया, अनूप जोशी ,सुदीप पाटिल, जितेंद्र चोपरा, राजेश फरक्या, राजनारायण लाड, शैलेंद्र जोशी, विश्वास दुबे ,सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवडा, अजजा विभाग के अध्यक्ष रमेश सिंगार, अंबालाल हिंगोरिया, आईटी सेल अध्यक्ष योगेंद्र गौड, सलीम खान नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष, रफत पयामी,जिला कांग्रेस महामंत्री बबीता सिंह तोमर, रूपल संचेती, सरोज सिंह सिसौदिया, प्रमिलासिंह ,अंजू तिवारी, इस्टा भाचावत, सुनीता बंडी ,अनीता भदोरिया, वर्षा सांखला ,कुमकुम सिसोदिया, उमा पवार ,मंडलम अध्यक्षगण पंकज जोशी,रमेश बृजवानी, दशरथ सिंह राठौड, विश्वनाथ सोनी, नितेश सतीदासानी ,शुभम कुमावत , वकार खान सेक्टर अध्यक्ष राजेश खींची, घनश्याम लोहार, कचरमल जटिया ,अकरम खान ,सादिक गोरी,अमीन खान , राजेश खींची,दीपक बसेर , दिनेश प्रजापत ,राजू राजेश बधवार, ओम प्रकाश पवार, राशिद खान, अशफाक मेव, धर्मेंद्र गुप्ता , साबिर मदारी ,मोहम्मद इकबाल इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आभार किटियानी मंडलम अध्यक्ष अजय पंकज जोशी ने माना।

आज शहर क्षेत्र मंडलम में अंबा बाड़ी शहर किला से शुरू होगा घर घर संपर्क अभियान– शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर प्रभारी मोहम्मद हनीफ शेख,शहर क्षेत्र मंडलम अध्यक्ष विश्वनाथ सोनी एवं मंडलम प्रभारी रफत पयामी ने बताया की 03 मई शुक्रवार को शाम 6 बजे से शहर क्षेत्र मंडलम में घर घर संपर्क अभियान होगा। सभी कांग्रेसजन शाम 6 बजे अंबा बाडी शहर किला पर समय पर पहुंचे।

महाविद्यालय में सत्र 2024-25 में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने तथ्यात्मक जानकारी देते हुए बताया कि उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा सत्र 2024-25 में महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी ई-प्रवेश पोर्टल से स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेष हेतु आवेदन कर सकता है। स्नातक प्रथम चरण की प्रवेश तिथि 01 मई से 20 मई, 2024 तक निर्धारित की गई है तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश की तिथि 02 मई से 21 मई, 2024 निर्धारित की गई है। जिसमें विद्यार्थी न्यूनतम 01 तथा अधिकतम 10 महाविद्यालयों का चयन कर सकेगा। विद्यार्थी द्वारा भरा गया ऑनलाईन आवेदन फार्म ऑनलाईन ही सत्यापित किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों के प्रवेश आवेदन फार्म में कोई त्रुटि होगी, ऐसे विद्यार्थी को त्रुटि का एसएमएस मैसेज आएगा। तत्पष्चात उन विद्यार्थियों को अपने नजदीकी महाविद्यालय के प्रवेश हेल्प सेंटर पर पहुंचकर आवेदन में आई त्रुटि सुधार करवाना होगी। इसके बाद आवेदन फार्म को सत्यापित किया जाएगा।

उच्च शिक्षा विभाग स्नातक प्रथम चरण की मैरिट सूची 25 मई, 2024 को जारी की जाएगी एवं स्नातकोत्तर प्रथम चरण की मैरिट 29 मई, 2024 को जारी की जाएगी। मैरिट सूची में नाम आने पर स्नातक विद्यार्थी 25 मई से 03 जून, 2024 तक ऑनलाईन प्रवेश शुल्क जमा कर सकेगा। स्नातकोत्तर विद्यार्थी 29 मई से 05 जून 2024 तक ऑनलाईन प्रवेश शुल्क जमा कर सकेगा। विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय निम्न बिन्दुओं पर ध्यान दें :- विद्यार्थी स्वयं का नाम, पिता का नाम, माता का नाम, जन्म तिथि को 10वीं की अंकसूची से मिलान कर लें। यदि उपरोक्त नामों में कोई त्रुटि होने पर आवेदन फार्म को सुधारा नहीं जा सकेगा एवं आवेदन को निरस्त करवाकर फिर से नया आवेदन भरना होगा। आवेदन फार्म में विद्यार्थी स्वयं का मोबाइल नंबर ही दर्ज करावें। विद्यार्थी 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र एवं आय का प्रमाण पत्र (ये सभी दस्तावेज ओरिजन स्केन करवाकर अपलोड करवाएं)। स्नातकोत्तर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी स्नातक अंतिम वर्ष की अंकसूची ओरिजनल स्केन कर अपलोड करेंगे। स्नातक अंतिम वर्ष का रिजल्ट घोषित नहीं की स्थिति में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की अंकसूची के प्राप्तांक जोडकर आवेदन में दर्ज करेंगे एवं दोनों ही अंकसूची को अपलोड करेंगे। कियोस्क सेंटर विद्यार्थियों के आवेदन में कोई त्रुटि न करें, आवेदन सबमिट करने के पहले से एक बार विद्यार्थी से आवेदन चेक अवश्य करायें ताकि उसी समय त्रुटि सुधार की जा सके।

जागरूक करने के लिए दिलाई जा रही शपथ

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं। ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह गतिविधि हाट बाजार, मेलो, चौराहों पर की जा रही है। साथ मतदान केंद्रों पर जाकर ईवीएम को चलाना, मतदान का महत्व, लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओं को बताया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में जागरूकता उत्पन्न हो।

पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव एवं स्वीप नोडल एवं सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम के निर्देशन में जिले में मतदाता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है।इसके अंतर्गत गांव- गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है एवं मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य स्कूल के छात्राओं द्वारा किया जा रहा है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

अमिट स्याही का निशान बताए, अनुयोग हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कराएँ

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। डिस्ट्रिक्ट आईकॉन डॉ योगेंद्र कोठारी, अनुयोग हॉस्पिटल मंदसौर ने मंदसौर के नागरिकों से 13 मई को 100 प्रतिशत मतदान की अपील करते हुए घोषणा की है, कि 13 मई 2024 को अनुयोग हॉस्पिटल नई आबादी मे आप अपनी उंगली पर अमिट स्याही का निशान बताएं और बीपी शुगर तथा स्वास्थ्य जांच पूरे दिन निशुल्क पाएं। अनुयोग हॉस्पिटल ने 13 मई को सुबह से शाम तक अपने मतदाताओं के लिए ओपीडी को फ्री कर दिया है।

वनक्षेत्र व खेत में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

भानपुरा, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा नगर के आसपास व ग्रामीण क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं इस भीषण गर्मी दौर में रुकने का नाम नहीं ले रही हैं एंव आगजनी की घटनाएं लगातार घटित हो रही है। कुछ आग जनी की घटनाएं विद्युत लाइन फाल्ट होने से एवं कई आग जनी की घटनाएं अज्ञात कारण से घटित हो रही है। जो जांच का विषय है। अभी तक घटित हुई आगजनी की घटनाओं में खेत की बागड एवं खेत के घास फूस के साथ ही कुछ स्थानों पर वन क्षेत्र में आग जनी की घटनाएं घटित हुई है। जिसमें पेड पौधे झाड़ियां जलकर राख हुई है। लगभग अधिकांश जगहों पर नगर परिषद भानपुरा के एकमात्र छोटे फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पाया है।

भानपुरा नगर के आसपास के क्षेत्र में दो स्थानों पर आगजनी की घटनाएं घटित हुई है। एवं एक घटना भानपुरा के पठार क्षेत्र स्थित प्रेमपुरिया से आगे वन क्षेत्र में आग जनी की घटनाएं घटित हुई है। जिसमें झाड़ियां पेड पौधे जलकर राख हुए हैं। गुरुवार को आग जानी की पहली घटना सुबह करीब 10:45 बजे गरोठ भानपुरा मुख्य मार्ग पर सोजतिया कृषि फार्म के समीप मुख्य मार्ग के किनारे स्थित झाड़ियों में अज्ञात कारण के चलते भीषण आग लग गई। जिससे रोड किनारे की झाड़ियां जलकर राख हो गई। सूचना पर नगर परिषद भानपुरा का फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा एवं आग पर काबू पाया। इसी तरह सुबह करीब 11:15 बजे आगजनी की दूसरी घटना गरोठ भानपुरा मुख्य मार्ग से बाईपास मार्ग पर करीब 100 मीटर की दूरी पर अज्ञात कारण से खेत की बागड में व घास फूस में आग लग गई। जिससे यह जलकर राख हो गए। आग जनी की सूचना पर नगर परिषद के फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इसके साथ ही आगजनी की तीसरी घटना दोपहर करीब 1:30 बजे भानपुरा तहसील क्षेत्र के पठार क्षेत्र स्थित ग्राम प्रेमपुरिया से आगे वन क्षेत्र के रास्ते पर अज्ञात कारण से आग लग जाने से वन क्षेत्र में कुछ पौधे झाड़ियां आदि जलकर राख हो गये। यहां भी सूचना पर नगर परिषद भानपुरा का छोटा फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा एवं मशक्कत कर आग पर काबू पाया। भानपुरा नगर के आसपास व तहसील क्षेत्र में लगातार हो रही आगजनी की घटनाएं घटित होना जांच का विषय है।

लोक निर्माण अधिकारी सोनी के कार्यकाल की जांच हो-टूटेजा

मंदसौर, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। गुरूवार को लोक निर्माण विभाग के अधिकारी आदित्य सोनी एवं उनके सहयोगियों ने नगर परिषद शामगढ के कर्मचारियों के साथ मारपीट कर बदसलूकी की इस प्रकार का व्यवहार किसी भी अधिकारी को शोभा नहीं देता है।

उक्त बात कहते हुए पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीतसिंह टूटेजा ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आदित्य सोनी को मंदसौर से विशेष प्रेम रहा है। मंदसौर में इंजिनियर के पद पर कार्य करने के बाद प्रमोशन पर पुन: मंदसौर आ गये। श्री सोनी को मंदसौर में लगभग 5 वर्ष से अधिक हो गये है। ऐसे में इनके कार्यकाल की जांच होना चाहिए एवं निर्वाचन आयोग को भी संज्ञान लेना चाहिए कि बडे अधिकारी इतने वर्षो तक एक ही स्थान पर कैसे टिके रहते है एवं शामगढ पुलिस को भी नगर परिषद के कर्मचारियों के आवेदन पर सोनी के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करना चाहिए। श्री टूटेजा ने कहा कि मेरे द्वारा भी आदित्य सोनी की शिकायत निर्वाचन आयोग में कि जायेगी क्योंकि ऐसे अधिकारी चुनाव प्रभावित कर सकते है। आपने कहा कि गुरूवार को शामगढ श्री सोनी का व्यवहार एक गंभीर और कुशल अधिकारी के अनुकूल नहीं था इतने बडे पद पर होने के बावजूद छोटे कर्मचारियों के साथ दुर्व्यहार करना इनके पद को शोभा नहीं देता है। श्री टूटेजा ने कहा कि मंदसौर में कार्यपालन यंत्री के पद पर रहते हुए श्री सोनी पर भ्रष्टचार के कई आरोप लगे है मेरा जिला कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग है कि श्री सोनी के कार्यकाल की जांच एक समिति बनाकर कि जाना चाहिए। यदि निष्पक्ष रूप से सोनी के कार्यकाल की जांच कि जाती है तो निश्चित रूप से चौकाने वाले खुलासे सामने आ सकते है। इसलिए ऐसे अधिकारियों के कार्यकाल की जांच तो होना चाहिए और चुनाव आयोग को भी संज्ञान लेकर ऐसे अधिकारियों को तुरंत अपने पद से हटकार अन्यत्र भेजना चाहिए ताकि लोकतांत्रिक दृष्टि से चुनाव निष्पक्ष रूप से संपन्न करवायें जा सके।

दो आरोपियों को तीन माह तक थाना हाजरी का आदेश

नीमच, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर दिनेश जैन द्वारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा-5(क,ख) के तहत आरोपी कैलाश उर्फ गोविन्द पिता रमेश निवासी तलउ, थाना कुकडेश्वर एवं आरोपी मोहम्मद रफीक डागरिया पिता मोहम्मद शाकीर निवासी आवारासात मोहल्ला रामपुरा पुलिस थाना रामपुरा को तीन-तीन माह के लिए सदाचार बनाये रखने के लिए पुलिस थाना मनासा एवं बघाना में सप्ताह में एक दिन थाना हाजरी का आदेश जारी किया।

कोटड़ी-थगी सड़क मार्ग हुआ जर्जर

भानपुरा, 2 मई गुरु एक्सप्रेस। तहसील भानपुरा की ग्राम पंचायत कोटडी टैंक की भानपुरा गांधी सागर सडक मार्ग से लेकर ग्राम थगी तक 6 किलोमीटर का सडक मार्ग अपने निर्माण के कुछ सालों में ही कई जगह से बिगड चुका है, जगह-जगह सडक उखड चुकी है व बडे बडे बोल्डर पत्थर बाहर निकल आए हैं, जिससे सडक पर वाहन चालाना जान जोखिम में डालने से कम नहीं हैं। विगत कुछ माह पहले थगी से भानपुरा आते हुए मोटरसाइकिल सवार बंसीलाल भट्ट उम्र 50 वर्ष बिगडी हुई सडक के चलते ही एवं किसी अज्ञात वाहन की टक्कर के चलते दुर्घटनाग्रस्त होकर मौत के मुंह में समा चुके हैं। सरपंच ग्राम पंचायत कोटडी सरदार भील, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अमरलाल मीणा,राधेश्याम मीणा, प्रकाश मीणा, रामेश्वर रावत, मोहनलाल आदि अनेक ग्राम वासियों ने जिला कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधि चंदर सिंह सिसोदिया से मांग की है कि कोटडी थगी सडक मार्ग को शीघ्र ही नया बनाया जाए एवं प्रारंभिक तौर पर पर्याप्त मरम्मत की जाए।

मारपीट करने वाले 2 आरोपियों... पेज 1 से जारी

फरियादी को घर से बाहर बुलाया और खेत हांकने की बात को लेकर विवाद करते हुए उसके साथ लात-घुसों व बेसबॉल से मारपीट करने लगे, जिस कारण उसे गंभीर चोटे आई। आस-पास रहने वाले लोगो ने बीच-बचाव कर फरियादी को बचाया। फरियादी द्वारा घटना की रिपोर्ट मनासा थाना पर की गई, जिसके पश्चात् फरियादी का मेडिकल किये जाने के पश्चात् आवश्यक विवेचना के उपरांत अभियोग-पत्र मनासा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी, चश्मदीद साक्षी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपीगण को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री रमेश नावडे, एडीपीओ द्वारा की गई।

In The Court of Civil Judge Senior Division Sitamau, District Mandsaur (M.P.)
Presiding Officer- श्री विनीत साकेत

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक एमजेसी 01/2024

कंचनबाई उर्फ कशनबाई..... आवेदक विरुद्ध सर्व साधारण आदि ..... अनावेदक
पेशी दिनांक-30.05.2024

प्रेषिती - 1. सर्व साधारण, पता-मंदसौर, 2. आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कंचनबाई उर्फ कशनबाई पति बगदीराम, उम-53 वर्ष, व्यवसाय-मजदूरी, निवासी-ग्राम मसूदी, तहसील सुवासरा, जिला मंदसौर (म.प्र.) ने मृतक बालूराम पिता बगदीराम, निवासी-ग्राम मसूदी, तहसील सुवासरा, जिला मंदसौर (म.प्र.)की भारतीय स्टेट बैंक शाखा सुवासरा में खाता क्रमांक 35189222543 में जमा राशि 16000/- हेतु उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन दिया है जिसकी सुनवाई 30 मई 2024 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदिका को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझोता हो तो पेशी दिनांक 30.05.2024 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरान्त यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एकपक्षीय की जाकर प्रकरण कर निराकरण किया जावेगा। यह आज तारीख 30 अप्रेल 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश
(विनीत साकेत)
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड सीतामऊ, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

टिप्पणी- यदि किसी कारण वश उक्त तिथि का न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in